प्रदेश में अब 'एक ब्लॉक-पांच उत्पाद' पर होगा काम

बस्ती जिले के मॉडल को पूरे प्रदेश में लागू करने की योजना, गांव के उत्पादों को मिलेगी पहचान, ग्रामीण अर्थव्यवस्था को ताकत

महेंद्र तिवारी

लखनऊ। योगी सरकार एक जिला-एक उत्पाद योजना के प्रयोग के बाद स्थानीय स्तर पर 'एक ब्लॉक-पांच उत्पाद' योजना शुरू करने जा रही है। बस्ती जिले के सभी 14 ब्लॉकों में हुए इस प्रयोग की शासन स्तर पर तारीफ हुई है। अब इस मॉडल पर सभी जिलों को काम करने का निर्देश दिया गया है।

दरअसल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर पहली बार प्रदेश के सभी सीडीओ के काम की अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री एसपी गोयल के स्तर पर समीक्षा शुरू हुई है। पहली समीक्षा में कई जिलों के सीडीओ को अपने जिलों के अभिनव प्रयोग बताने का मौका दिया गया। 2016 बैच की आईएएस अधिकारी व बस्ती की सीडीओ सरनीत कौर ब्रोका ने जिले में शुरू किए गए 'एक ब्लॉक-पांच उत्पाद' पहल की जानकारी दी। बताया गया कि यह प्रयोग सफलता पूर्वक जमीन पर लागू हो गया है। इससे गांव स्तर के परंपरागत उत्पादों को आगे बढ़ाने में सफलता मिली है। बड़ी संख्या में लोगों को स्थानीय स्तर पर स्वरोजगार का अवसर भी मिल रहा है।

बस्ती जिले के गांवों में सीडीओ की पहल पर अगरबत्ती, अचार, सिरका, चूना पैकिंग, सजावटी सामान, जूट के बैग और कपड़ा जैसे उत्पादों को तैयार किया जा रहा है। ये उत्पाद 'एक ब्लॉक-पांच उत्पाद' के तहत तैयार किए जा रहे हैं।

ये है बस्ती मॉडल

- प्रत्येक ब्लॉक के लिए 5-5 फ्लैगशिप उत्पादों का चयन।
- सीडीओ को ब्लॉक के 5 उत्पादों को विकासखंड की पहचान के रूप में स्थापित कराने की जिम्मेदारी।
- समूह को उत्कृष्ट क्वालिटी के उत्पाद तैयार करने के लिए नाबार्ड व आरसेटी से ट्रेनिंग व मार्केटिंग में सहयोग।
- उत्पादन, पैकेजिंग, ब्रांडिंग और मार्केटिंग का समन्वित मॉडल।
- उत्पादों की स्थानीय व जिला स्तरीय बाजार के साथ क्षेत्रीय सरस मेले में बिक्री।
- विभिन्न विभागीय योजनाओं का कन्वर्जेंस कर उत्पादकों को लाभ पहुंचाना।
- भविष्य में प्रदेश सरकार की मदद से डिजाइनिंग में निफ्ट जैसी संस्थाओं का सहयोग लिया जाएगा।
- जिला स्तरीय हाट की व्यवस्था कर उत्पादों की बिक्री का स्थायी प्लेटफार्म उपलब्ध कराया जाएगा।
- भविष्य में उत्पादक समूह, मार्केटिंग समूह व क्लस्टर लेवल फेडरेशन की स्थापना की जाएगी।
- फेडरेशन का अमेजन जैसे ई-कॉमर्स प्लेटफार्म पर विक्रेता के रूप में पंजीयन कराकर ग्लोबल मार्केट तक पहुंच उपलब्ध कराई जाएगी।

गांव में बनने लगे चप्पल, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, जूट बैग और साबुन

बस्ती जिले में इस पहल का फायदा ये हुआ कि स्थानीय स्तर पर जरूरत के आधार पर अचार-सिरका, खड़े मसाले व आटे की पैकेजिंग, कपड़ा, जूट बैग, सॉफ्ट टॉय, दोना-पत्तल, गुलदस्ते व सीमेंट की नाद बनने का काम शुरू हुआ है। गांवों में चप्पल, आर्टिफिशियल ज्वेलरी, कपड़े धोने के साबुन, चिकनकारी, अगरबत्ती-मोमबत्ती, मिठाई के डिब्बे, पेपर बैग, पापड़ व बड़ी, जनेऊ व रुई की फूलबत्ती, हवन सामग्री और मूंज/कथरी के काम चल पड़े हैं। हल्दी की खेती, नर्सरी, मशरूम, वर्मी कम्पोस्ट, डेयरी उत्पाद, रेशम पालन का संस्थागत काम बढ़ा है। माना गया है कि यह पहल लोकल को प्रोत्साहित करने का बेहतरीन प्रयास बन रहा है।

'एक ब्लॉक-पांच उत्पाद' योजना से स्थानीय पहचान से जुड़े उत्पादों को नए सिरे से स्थापित करने की पहल हो रही है। इससे लोगों को स्थानीय स्तर पर ही रोजगार मिल रहा है। इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को बड़ा बल मिलेगा। अपर मुख्य सचिव मुख्यमंत्री ने सभी जिलों के सीडीओ को इस मॉडल पर काम का निर्देश दिया है।

– सुरेंद्र सिंह, सचिव मुख्यमंत्री

एनआरएलएम के तहत प्रत्येक ब्लॉक के लिए 5-5 उत्पादों का चयन किया गया है। समूह इनका उत्पादन करते हैं। अब तक 62 समूहों का गठन कर 210 लोगों को इन उत्पादों के उत्पादन से जोड़ा गया है। इस कार्य से जुड़े लोगों की 5500 रुपये से लेकर 26,000 रुपये तक मासिक आय शुरुआत में है।

– सरनीत कौर ब्रोका, सीडीओ बस्ती